

PE-433
M.A. Sanskrit (IV Semester)
Examination, June-2022
Paper-IV

Name/Title of Paper- Sahitya Siddhant-II
Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 80
[Minimum Pass Marks : 29

नोट : दोनों खण्डों से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

Note : Answer from both the Sections as directed. The figures in the right-hand margin indicate marks.

खण्ड / Section-A

1. सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः 1x10=10
क. काव्य प्रकाशे कति उल्लासाः सन्ति?
ख. काव्यय प्रकाशः केन विरचित?
ग. "हेतोर्वाक्य पदार्थता" कस्य लक्षणम्।
घ. रुकरं कार्यं कारणात्तरयोगतः कः अलंकारः भवति।
ङ. साहित्यदर्पणस्य कः रचनाकारः।
च. चतुर्वेग फलप्राप्तिः किमस्ति?
छ. कस्यकथनामिदं "रीतिरात्माकाव्यस्य"
ज. वाच्यार्थः कया बोध्यः।
झ. अन्य सवित् तन्तुल्यदर्शने कः अलंकारः भवति?
ञ. विश्वनाथ मते लक्षण कतिधा?
2. सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः 2^{1/2} x 4 = 10
क. स्वभावोक्त्यलंकारस्य लक्षणं लेख्यम्।
ख. प्रतीपालंकारस्यो दाहरणं लेखनीयम्।
ग. "कामप्राप्तिश्चार्थद्वारैव" इति स्पष्टयत।
घ. तात्पर्याख्यावृन्तिः विविच्यतातम्।

खण्ड / Section-B

- सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः 15x4=60
प्रश्न 3 अलंकार याणं सोदाहरणं लक्षणं देयम्—
1. व्याजस्तुति 2. सहोक्ति 3. पर्यायोक्ति 4. व्याजोक्ति 5. अन्योन्य
प्रश्न 4 अध्यास्तनेषु अलंकारत्रयं सोदाहरणं प्रतिपादीयम्—
1. कारणयाला 2. भ्रातिमान 3. तद्गुण 4. संकर 5. समाधि
प्रश्न 5 विश्वनाथ दिशा काव्यप्रयोजनं प्रतिपाद्यताम्—
अथवा
मम्मटकृत काव्य लक्षणस्य निरसनं कार्यम्
प्रश्न 6 सङ्केतो गृह्यते जातौ गुणद्रव्यक्रियासु च इति विविच्यताम्।
अथवा
विश्वनाथ दिशा आर्थी व्यंजना प्रतिपादनीया।